has been permitted by the Chairman, you can speak on that. On the other subject, if the Chairman allows you, then, you can raise it tomorrow morning. There is no problem.

SHRI K.T.S. TULSI: Sir, on the Minimum Alternative Tax, I want to submit that in 2013 when the Vodafone issue was raised, at that time, the then Finance Minister thought that he will collect about ₹ 10,000 crores. But instead of collecting anything, the country lost on account of withdrawal of funds by the FIIs. Investments by FIIs dropped from ₹1,16,808 crores to ₹ 51,000 crores. I want to submit that by giving a notice on the Minimum Alternative Tax what the Finance Minister hopes to get the demand of ₹ 40,000 crores, but in the process it may lose more than ₹ 2,80,000 crores which has been received from the FIIs as investors perceive it as tax terrorism. The raising of demand of ₹ 40,000 crores by reopening assessments is on a laughable legal premise that complying with the directive of SEBI to open a bank account converts them into domestic companies. The ruling by the authority for the advance tax is itself contrary to the previous rulings and ought to have been contested by the Department. If such demands are sought to be justified, India's financial future is wrought with danger. The Prime Minister may dream big, but, alas, his dreams may be doomed to be shattered. It is only capable of making investment environment most unattractive to foreign investors. Thank you.

Demand for providing relief to family of Havildar Sanjeev Kumar of Dhindar village of Ghaziabad martyred in naxalite attack

श्री नरेन्द्र कुमार कश्यप (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदय, मैंने हवलदार संजीव कुमार की शहीदी का विषय आज सदन में इसलिए प्रस्तुत किया था कि अगर हमारे देश को और हमारे देश के लोकतंत्र को खुशहाल और मजबूत बनाना है, तो किसान और जवान की सुरक्षा और खुशहाली पर ध्यान देना बहुत जरूरी है।

महोदय, पिछले 35 सालों से हमारे देश में जम्मू और कश्मीर सहित बहुत से प्रांतों में आतंकवाद, नक्सलवाद और माओवाद की घटनाएं निरंतर हो रही हैं। इन घटनाओं में हमारे हजारों जवानों की शहीदी हुई है, लेकिन अभी तक इन घटनाओं को रोकने के लिए सरकारों की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठा है। यदि सरकारों की तरफ से कोई ठोस कदम उठेगा तो देश के जवानों के साथ होने वाली घटनाओं पर भी विराम लग सकेगा।

महोदय, मैं यहां जिस घटना का जिक्र करना चाहता हूं, वह घटना दो अप्रैल को अरुणाचल प्रदेश में घटी है, जिसमें एक सैन्य वाहन पर पैट्रोलिंग के दौरान हमला हुआ और तीन जवान मौके पर ही हताहत हो गए, शहीद हो गए। इन तीनों ही जवानों के परिवारजनों ने, प्रांत तथा देश के लोगों ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया।

महोदय, इन तीन जवानों में से एक जवान हमारे उत्तर प्रदेश, गाजियाबाद के ग्राम ढिंढार का

रहने वाला था। जब मैं उनके परिवार के लोगों से मिला, उसके दो मासूम बच्चे, जवान पत्नी और उनके बूढ़े मां-बाप का हाल देखकर मेरे मन में यह ख्याल पैदा हुआ कि जिन घटनाओं में हमारे देश का जवान शहीद होता है और उसके पीछे उसका परिवार किस हाल में रहता है, उसकी कल्पना करके भी हमें तकलीफ होती है। मैं आपके माध्यम से सरकार से यह अनुरोध करना चाहता हूं कि यह अकेली संजीव कुमार की शहीदी का विषय नहीं है, यह विषय भारतवर्ष के लाखों जवानों के शहीद होने का है। इस पर सरकार गंभीरता से विचार करे। देश की सीमाओं पर जवान शहीद हो रहे हैं, देश की सीमाओं के अंदर भी शहीदी का क्रम जारी है, इसलिए सरकार से मेरी मांग है इस लम्बे समय से चलते अभियान को रोकने केलिए सरकार को सख्त कदम उठाना चाहिए और शहीद संजीव कुमार का परिवार, उसके मासूम बच्चे,उसकी जवान पत्नी तथा उसके बूढ़े मां-बाप आज मुश्किल के दौर में हैं, सरकार को कुछ आगे बढ़कर उनकी सहायता के लिए पेट्रोल पम्प, गैस एजेंसी आदि की जो भी सुविधाएं संभव हो सकें, देने पर विचार करना चाहिए। धन्यवाद।

श्री सतीश चन्द्र मिश्रा (उत्तर प्रदेश) : महोदय, माननीय सदस्य ने यहां जो विषय रखा है, मैं अपने को इससे सम्बद्ध करता हूं।

श्री के.सी. त्यागी (बिहार) : महोदय, माननीय सदस्य ने यहां जो विषय रखा है, मैं अपने को इससे सम्बद्ध करता हूं।

श्री वीर सिंह (उत्तर प्रदेश) : महोदय, माननीय सदस्य ने यहां जो विषय रखा है, मैं अपने को इससे सम्बद्ध करता हूं।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The names of all those who are associating themselves, including Shri K.C. Tyagi, may be added.

श्री राजपाल सिंह सैनी (उत्तर प्रदेश) : महोदय, माननीय सदस्य ने यहां जो विषय रखा है, मैं अपने को इससे सम्बद्ध करता हूं।

श्री सालिम अन्सारी (उत्तर प्रदेश) : महोदय, माननीय सदस्य ने यहां जो विषय रखा है, मैं अपने को इससे सम्बद्ध करता हूं।

श्री किरनमय नन्दा (उत्तर प्रदेश) : महोदय, माननीय सदस्य ने यहां जो विषय रखा है, मैं अपने को इससे सम्बद्ध करता हूं।

श्रीमती झरना दास बैद्य (त्रिपुरा) : महोदय, माननीय सदस्य ने यहां जो विषय रखा है, मैं अपने को इससे सम्बद्ध करती हूं।

चौधरी मुनव्वर सलीम (उत्तर प्रदेश) : महोदय, माननीय सदस्य ने यहां जो विषय रखा है, मैं अपने को इससे सम्बद्ध करता हूं।

†**چودھری منوّر سلیم (اتّر پردیش)** : مہودے، مانّئے سدسئے نے یہاں جو وشئے رکھا ہے، میں اپنے کو اس سے سمبدّھ کرتا ہوں۔

---

†Transliteration in Urdu Script.